Vision गुरू जम्भेश्वर धार्मिक अध्ययन संस्थान तुलनात्मक धर्म दर्शन के लिये स्थापित हुआ है। जिसमें प्रमुख रूप से गुरू जम्भेश्वर और जाम्भाणी साहित्य के साथ हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिक्ख, इस्लाम, धर्मों के साथ तुलनात्मक अध्ययन, अनुसंधान और विश्लेषण करने के लिए संस्थान की संरचना की ग है। इसके अतिरिक्त भारतीय दर्शन में हिन्दू–दर्शन, वैदिक–दर्शन, बौद्ध–दर्शन, जैन–दर्शन, उपनिषद–दर्शन, सांख्य–दर्शन, अद्वैत–दर्शन, वेदांत–दर्शन, द्वैताद्वैत–दर्शन, भेदोभेद–दर्शन व प्राचीन व अर्वाचीन संतों सिद्धों, ऋषि–मुनियों, सिद्ध–साधकों व पीर पैगम्बरों के विषयों में गहन शोध व अनुसंधान करना तथा साथ ही भारतीय संस्कृति व साहित्य में उनके योगदान का मूल्यांकन करना।

Mission विश्व के सभी धर्मों में पारस्परिक समन्वय, सहिष्णुता, एकता और व्यापकता की भावना

की आधार शीला तैयार करना, धर्म निरपेक्षता व मानव मूल्यों की स्थापना करना भारतीय संस्कृति में संस्कारों की उपयोगिता को बनाये रखना, धर्मों की सांपेक्षता तथा अनेकता की निरपेक्षता को जीवन और जगत में क्रियान्वित करना, भारतीय संस्कृति व साहित्य के नैतिक मानदंडों की स्थापना करना व तुलनात्मक दर्शन की कठिनाइयों का निवारण करना व आदर्श और मर्यादाओं की स्थापना करना, सभी धर्मों की आधार भूत सत्ता को एक ही मानना और विभिन्न देवीय शक्तियों को एक ही सत्ता के आत्मसात करना सभी धर्मों में साम्यनुमान के सिद्धान्त को स्वीकार करना, इसके साथ ही भारतीय धर्म परम्परा का पैगम्बरी धर्म परम्परा के साथ तुलनात्मक अध्ययन करना।